खिलौना | by Anil Lata

तेरे हाथों का खिलौना हूँ मैं सांवरा
जैसे मर्ज़ी तू मुझको नचाये जा
मैं पतंग तेरे हाथ मेरी डोर है
चाहे काट दे या अम्बर उड़ाए जा
तेरे हाथों का खिलौना.....

तेरे लिए दिल ये तड़पता है दाता मेरे
तेरे बिना दिल बेसहारा ये
तेरे ही तो बाग़ का मैं फूल हूँ ओ दाता मेरे
रहने दे चरणों को थाम के
तेरी प्यारी सी सूरत दिखलाये जा
तेरी रहमतों को यूँ ही छुलकाए जा
मैं पतंग तेरे हाथ मेरी डोर है
चाहे काट दे या अम्बर उड़ाए जा
तेरे हाथों का खिलौना.....

कुछ भी नहीं है मेरा तेरा ही करम है
ये दुनिया जो देती मुझे मान है
मैं हूँ सेवादार दाता दर का भिखारी तेरे
यही मेरी बाबा पहचान है
मेरे डालता गुनाहों पे तू पर्दा
मेरे ऐब मेरे सांवरा छुपाये जा
मैं पतंग तेरे हाथ मेरी डोर है
चाहे काट दे या अम्बर उड़ाए जा
तेरे हाथों का खिलौना.....

.ज़िन्दगी की राह पे जो ठोकरे मिले तो मुझे
आके लेना सांवरे संभाल तू
बुरा भला जैसा भी हूँ लाल तो मैं तेरा ही हूँ
रख लेना मेरा भी ख़याल तू
ये ही आस मेरे बाबा तेरे दास की
तेरी राहों पे मुझको चलाये जा
मैं पतंग तेरे हाथ मेरी डोर है
चाहे काट दे या अम्बर उड़ाए जा
तेरे हाथों का खिलौना.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a5%8c%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-anil-lata/